(Pages : 4) N – 6028

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, June 2022

Hindi

HL 241 — MODERN POETRY SINCE PRAYOGVAD

(2015 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. 'मोचीराम' किस काव्य -संकलन में संग्रहित कविता है?

   (अकाल दर्शन, सुदामा पाण्डे का प्रजातंत्र, कल सुनना मुझे, संसद से सड़क तक)

2. 'नये इलाके में' का प्रकाशन वर्ष :-

   (1993, 1994, 1996, 1995)

3. निम्न में से कीर्ति चौधरी की कविता चुनकर लिखिए।

   (मेरा अपराध, वक्त, गीत फरोश, जीने की ललकार)

4. 'एक क्षण' किसकी कविता है?

   (भवानी प्रसाद मिश्र, रांघेय राघव, शमशेर बहादुर सिंह, मुक्तिबोध)

5. 'शब्द नहीं बचे' किसकी कविता है?

   (सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, कात्यायनी, मुक्तिबोध, अशोक वाजपेयी)

6. इनमें से कौन-सी रचना सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की नहीं है?

   (कुआनो नदी, जंगल का दर्द, खुला रहने दो, एक सूनी नाव)

7. 'कविता का उत्तर जीवन' किसकी रचना है?

   (नरेन्द्र मोहन, नामवर सिंह, परमानंद श्रीवास्तव, लीलाधर मंडलोई)

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

8. 'मेरे लिये, हर आदमी एक जोड़ी जूता है' यह किसकी पंक्ति है?

(धूमिल, मुक्तिबोध, अरुण कमल, लीलाधर जगूड़ी)

9. ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कवि कौन है?

(अशोक वाजपेयी, धूमिल, अरुण कमल, नरेश मेहता)

10. 'नयी कविता के प्रतिमान' किसकी रचना है?

(राजेश जोशी, नरेन्द्र मोहन, नामवर सिंह, ललित शुक्ल)

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं चार प्रश्नों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

1. 'विलाप' कविता का प्रतिपाद्य।
2. 'जीने की ललकार' कविता की समीक्षा।
3. अज्ञेय की कविताओं में व्यष्टि और समष्टि।
4. अशोक वाजपेयी की कविता।
5. 'ठंडा लोहा' कविता की युग सापेक्षता।
6. धूमिल की काव्य संवेदना।
7. कात्यायनी की कविता में नारी।

(4 × 5 = 20 Marks)

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पठित कविताओं के आधार पर अरुण कमल की कविताओं की समीक्षा कीजिए।
2. चन्द्रकांत देवतले की कविताओं की विशेषताओं पर विचार कीजिए।
3. प्रयोगवादोत्तर कविताओं की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. अज्ञेय नयी कविता के प्रतिनिधि कवि है। विवेचना कीजिए।

(2 × 10 = 20 Marks)

gcwcentrallibrary.in

IV. (क) किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. ओ मेरी आत्मा की संगिनी!
   तुम्हें समर्पित सांस सांस थी, लेकिन
   मेरी सासों में यम के तीखे नेजे-सा
   कौन अड़ा है?
   ठंड लोहा!
   मेरे और तुम्हारे भोले निश्छल विश्वासों को
   कुचलने कौन खड़ा है?
   ठंडा लोहा!

2. यह तो वे करते हैं
   जो असत्य के चश्मे
   आँख पर चढकर बस हरा-हरा देखते हैं।
   यह तो वे करते हैं जो सूखी बालू पर
   प्यासे बवंडरों-सा मृगजल देखते है।

3. लोहे का स्वाद
   लोहार से मत पूछो
   उस घोडे से पूछो
   जिसके मुंह में लगाम है।

4. कुछ बेहद मासूम लगते बच्चा चेहरों के साथ
   घूरे पर पड़े थे जैसे कि कचरा हों -
   मेरी हिम्मत नहीं हुई कि उन्हें उठाकर
   इस बर्बर समय पर एक कविता बनाऊँ।

5. इतनी भीड़ इतनी ध्वनियाँ
   और मैं तो केवल नीचे ताक रहा हूँ तेल के कुंड में
   फिर भी पूरा आकाश घूमता लग रहा है
   और मुझे मछली की पुतली में घूमती
   एक और छवि दिख रही है देव

gcwcentrallibrary.in

6. मैं ज़हर में डूबकर आऊँ या पराजय में धँसकर
औरत की आँखे मुझे काँच के गिलास की तरह धोकर पारदर्शी बना देती हैं
और उसका गुनगुना स्पर्श गिलास को
नशेवाली चीज़ से भर देता है
उसकी बग़ल में लेटकर ही मैं भाप और फूलों के बारे में सोच पाता हूँ
और मुझे लगता है कि मृत्यु मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती

7. कहाँ हैं वे कोठरियाँ जिनमें दर्जनों दर्जी स्त्रियाँ
सौन्दर्य परिधानों पर सौ-सौ सिलाइयाँ डालने के बाद भी
अपने जीवन की एक धज्जी नहीं सिल पातीं

(4 × 5 = 20 Marks)

(ख) किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. आज हम शहरातियों को
पालतु मालंच पर संवरी जुही के फूल से
सृष्टि के विस्तार का – औदार्य का – ऐश्वर्य का –
कहीं सच्चा, कहीं प्यारा एक प्रतीक बिछली घास है,
या शरद की सांझ के सूने गगन की पीठिका पर दोलती कलगी
अकेली
बाजरे की।

2. विगत शत पुण्यों का आभास
जंगली हरी कच्ची गंध में बसकर
हवा में तैर
बनता है गहन संदेह
अनजानी किसी बीती हुई उस श्रेष्ठता का जो कि
दिल में एक खटके-सी लगी रहती।

(1 × 5 = 5 Marks)

gcwcentrallibrary.in